हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 8 पद

1. दूसरे पदो में कवि ने किसका वर्णन किया है?

उत्तर: दूसरे पदो में कवि ने ऐसी नायिका का वर्णन करा है जो जन्म –जन्मांतर से अपने प्रियतम के रूप का पान करके भी अपने आपको अतृप्त ही महसूस करती है ।

2. तीसरे पद में कवि ने किसका वर्णन किया है?

उत्तर: तीसरे पद में कवि ने नायक के वियोग मे अतृप्त ऐसी विरहिणी का वर्णन किया है जिसको अपने नायक के वियोग मे प्रकृति के आनंददायक दृश्य भी कष्टदायक लगते हैं।

3. प्रथम पद में कवि ने किसका वर्णन किया है?

उत्तर: प्रथम पद में कवि ने नायक के वियोग मे अतृप्त नायिका का वर्णन किया है।

4. प्रथम 'पद' में क्या विशेष है ?

उत्तर: प्रथम 'पद' में मैथिली भाषा का प्रयोग किया गया है। इस पद में वियोग रस विद्यमान है। कवि की भाषा लयात्मक, काव्यात्मक एवं भावात्मक अर्थात भाव अनुसार है। प्रथम ' पद' एक छंद–युक्त पद है ।

5. दूसरे 'पद' मे क्या विशेष है ?

उत्तर: दूसरे 'पद' में पथ–परस, सुवनाह– सुनल मे अनुप्रास अलंकार है । इस पद में वियोग रस विद्यमान है। यह एक छंद–युक्त पद है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

1. जन्म अवधि हम रूप निहाल नयन न तिरपित भेल।। इस पंक्ति का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर: उपरोक्त पंक्ति में राधा (नायिका) अपनी सखियों से बात कर रही है और कहती है की मैंने अपने पूरे जीवन अपने नायक कृष्ण का रूप निहारा हैं परंतु मेरी प्यास अभी तक नहीं बुझी अर्थात जो सच्चा प्रेम होता है उसमें व्यक्ति कभी तृप्त नहीं हो पाता है।

2. सखी है की पुछसी अनुभव मोए ।

सेह प्रीति अनुराग बखानी तिल–तिल नूतन होय।।

इन पंक्तियों का भावार्थ लिखो ।

उत्तर: प्रत्येक पंक्तियों मे सखियां राधा से उनके अनुभवों के बारे में पूछ रही हैं। राधा कहती है की सखी मुझसे मेरे अनुभवों के बारे में क्या पूछती हो , मैं जितनी बार अपने अनुभवों के बारे में बताऊंगी, उतनी बार वह पल मेरे लिए नया होता जायेगा । अर्थात सच्चे प्रेम के अनुभवों का वर्णन किया ही नहीं जा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

3. एकसरी भवन पिया बिनु रे मोहि रहलो न जाए।

सखि अनकर दुःख दाऊ रे जग के पतिआए।। प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ लिखो ।

उत्तर: उपरोक्त पंक्तियों में कवि नायिका के दुखों का वर्णन कर रहे है । नायिका कह रही है कि वह इस बड़े भवन में अपने प्रियतम के बिना नहीं रह सकती। नायिका अपनी सखियों से कह रही है की 'मेरे इस दुःख को कोई समझने वाला है? अर्थात् मेरा यह असहनीय दुःख किसी को क्यों समझ नहीं आता है?

4. के पतिआ लए जाएत रे मोरा पियतम पास। इन पंक्तियों का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: कवि प्रस्तुत पंक्तियों में वर्षा ऋतु के आगमन का वर्णन कर रहे हैं। कवि कहते हैं की वर्षा ऋतु आ गई है , नायिका को अपने नायक की याद सताने लगी है और वह अपने नायक को वापस बुलाने के लिए संदेश भेजना चाहती है।

5. हीय नहीं सहए असह दुःख रे भेल साओन मास।। इन पंक्तियों का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: कवि कहते हैं कि उपरोक्त पंक्ति के माध्यम से नायिका अपनी सखियों से पूछती है कि मेरा पत्र लेकर मेरे नायक के पास कोन जायेगा? क्या ऐसा कोई नहीं है जो मेरे इस पत्र को मेरे प्रियतम कृष्ण के पास पहुंचा दे? इस सावन के महीने में विरह का यह दुःख मुझसे झेला नहीं जा रहा है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1. प्रियतमा क्यों दुखी है?

उत्तर: प्रियतमा के दुःख के निम्नलिखित रूप से इस प्रकार हैं–

(1) सावन का महीना शुरू हो गया है जिसके कारण प्रियतमा का अकेले रहना संभव नहीं है। वर्षा का आगमन उसे गहरी पीड़ा देता है।

(2) प्रियतमा का प्रियतम देश से बाहर चला गया है। वह अपने प्रियतम से मिलने के लिए व्याकुल है लेकिन उसकी अनुपस्थिति उसे चोट पहुंचा रही है।

(3) उसे लगता है कि उसका प्रियतम किसी और राज्य मे चला गया है और उसे भूल गया है। यह बात उसे आपार दुःख देती है

(4) घर का अकेलापन उसे काटने को दौड़ता है ।

2. कोयल और भौंरों का गुंजन नायिका को कैसे प्रभावित करता है ?

उत्तर: कोयल और भोरे के गुंजन का नायिका पर प्रतिकुल प्रभाव पड़ता है। कोयल का मधुर स्वर और भौंरों की गुनगुनाहट उसे अपने प्रियतम की याद दिलाते हैं। वह कानों को बंद कर लेती है ताकि उसे कोयल की मधुर आवाज़ और भौरों की गूंज सुनाई न दे । इस तरह कोयल और भौरों की गूंज उसे परेशान कर रहा है

3. कातर दृष्टि से चारों तरफ प्रियतम को ढूंढने की मनोदशा को कवि ने किन शब्दों में व्यक्त किया है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: इन पंक्तियों में कवि विद्यापति कहते हैं की प्रियतमा अपने प्रियतम को खोज रही है और कभी उसकी मनोदशा का वर्णन अपने इन पंक्तियों में करते हैं

“कातर दीठी करि , चौदस हेरी–होरी

नयन गरय जल धारा ।।”

यानी जैसे कुशल पक्ष की चतुर्दशी कमज़ोर होती है, वैसे ही नायिका का शरीर भी उसके प्रेमी की याद में कमज़ोर हो रहा है । उसकी आंखों से हर वक्त आंसू बहते रहते हैं।

4. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

‘तिरपित, छन, बिद्दग्ध, निहारल , पिरित, साओन

उत्तर: तिरपित – संतुष्ट

बिद्दग्ध – विदग्ध

छन – क्षण

निहारल – निहारना

पिरित – प्रीति

साओन – सावन

5. सेह फिरत अनुराग बखानीज तिल – तिल नूतन होए’ से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: इन पंक्तियों के द्वारा कवि का अभिप्राय है की प्रेम में डूबा हुआ व्यक्ति कोशिश करने के बाद भी बाहर नहीं आ सकता है। कवि का कहना है कि प्रेम एक ऐसा विषय है जिस पर कुछ भी व्यक्त करना संभव नहीं है। प्यार जितना पुराना होता है उसमें उतना ही नयापन आता है। कवि प्रेम को लिखना या व्यक्त करना असंभव बताते हैं क्योंकि कवि के अनुसार प्रेम स्थिर नहीं है। यही कारण है की प्रेम को व्यक्त नहीं करा जा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/